an>

Title: Regarding problems faced by farmers in Bihar.

श्री सतीश चंद्र दुबे (वाल्मीकि नगर): महोदय, यह देश किसानों का है। दुर्भाग्यवश इस देश में अगर किसी की स्थिति दयनीय है तो वह निस्संदेह किसान है। मैं किसानों से संबंधित अति महत्वपूर्ण विषय की तरफ आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ। बिहार में अभी तक एफ.सी.आई. और पैट्स के द्वारा गेहूँ और धान की खरीदी कर तो ली गई लेकिन इसका भुगतान अभी तक नहीं किया गया है। इस मौसम में धान की फसल में यूरिया देना अति आवश्यक है लेकिन बाज़ार में यूरिया उपलब्ध नहीं है। वहीं दलाल खुलेआम 450 रुपये से 500 रुपये बोरी बेच रहे हैं और उसी यूरिया को किसान खरीदने को मजबूर है। ...(व्यवधान) सैंकड़ों किसानों के गेहूँ का अनुदान भी प्राप्त नहीं हो पाया है। इन तमाम परेशानियों के कारण किसान उग्र हैं और किसानों द्वारा लगातार धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। बिहार में सूखा पड़ा हुआ है और उसे सूखाग्रस्त घोषित किया जाए, किसानों की गन्ना की पेमेन्ट दी जाए। किसान अभी तक गन्ना की पेमेन्ट से वंचित है। उनके लिए तमाम व्यवस्था की जाए।